



ग्रसाचारण

EXTRAORDINARY

भाग II---वाण्ड 3-उपसण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकालित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं ० 566

नई दिल्ली, जन्मवार, नवस्वर 19, 1971/कालिक 28, 1893

No. 5661

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 19, 1971 KARTIKA 28, 1893

इस भाग में भिन्न पूच्छ संख्या थी ज ी है जिससे कि यह ग्रालग संकलन के रूप में रक्षा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Office of the Controller of Capital Issues)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th November 1971

- S.O. 5181.—In exercise of the powers conferred by Section 12 of the Capital Issues (Control) Act, 1947 (29 of 1947), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Capital Issues (Applications for Consent) Rules, 1954, namely:—
- 1. (i) These rules may be called the Capital Issues (Applications for Consent), (Amendment) Rules, 1971.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Capital Issues (Application for Consent) Rules, 1954, for rule 4, the following rule shall be substituted, namely:—
 - "4(1) Every application under these rules for consent for issue of capital upto the value specified in column (1) of the Table below shall be accompanied by a treasury receipt for the amount specified in the corresponding entry in column (2) thereof.

η	r	Δ	п	ıT	1	

(1)

(2)

Amount

Application

- (a) For each application for consent for issue of capital upto and including ten lakhs of rupees.
- (b) For each application for consent for issue of capital exceeding ten lakhs of rupees.
- Fifty rupees.
- Fifty rupees for the first ten lakhs of rupees plus additional amount of fifty rupees for every increase of ten lakhs of rupees or part thereof subject to a maximum of one thousand rupees.
- (2) The amount specified in column (2) of the Table below sub-rule (1), shall be deposited, in receipt of Bombay, Calcutta, Delhi, Madras and Bangalore, in the Reserve Bank of India and at other places in the nearest Government Treasury or in the nearest Branch or an agency of the Reserve Bank.
- (3) The amount payable under sub-rule (1) shall be credited to the Head "LII--Miscellaneous---Miscellaneous---Receipts towards issue of Capital under the Capital Issues (Control) Act, 1947 (29 of 1947)."

[No. F.2(15)-CCC/70.]

P. D. KASBEKAR, Controller of Capital Issues.

वित्त मंत्रालय

(द्याधिक कार्य विभाग)

(पूजी निर्गम नियंत्रक का कार्यालय)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 16 नवम्बर, 1971

- का॰ झां॰ 5181.— पूजी निर्गम (नियंत्रण) श्रधिनियम, 1947 (1947 कि 29वें श्रधिनियम) की घारा 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, के द्वीय सरकार पूजी निर्गम (स्वीकृति के लिए श्रावेदन पत्र) नियमावली, 1954 में श्रीर आगे संसोधन करने के लिये एतद्दारा निम्नलिखित नियम बनाती है, श्रयात् :—
 - 1. (i) इन नियमों को पूजी निर्णम (स्वीकृति के लिये आवेदन पक्ष) (संशोधन नियमावली, 1971 कहा जामगा।
 - (ii) ये नियम राजपत्र में इनके प्रकाशित होने की तारीख सं लागू हो जायेंगे।
- 2. पूंजी निर्गम (स्वीकृति के लिये प्रावेदन पत्र) नियमावली, 1954 कं नियम 4के स्थान पर निम्नलिखित नियम रख जायगा; प्रकृति :--
 - "4(1) नीचे की सारगी क स्तम्भ (1) में निर्धारित मूल्य कें गूंजी निर्गम की स्वीकृति के लिये इन नियमों के अन्तर्गत दिये जाने वालें प्रत्येक प्रावेदन पत्न के साथ, इस सारणी के स्तम्भ (2) की तदनुक्य प्रविष्टि में निर्धारित रक्षम की राजकोष रमीद भेजी जायेगी।

मारणी	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
(1)	(2)
माचेदन⊸पत्र	राधि

- (क) दसलाख रुपयेतक, जिसमें दम लाख रुपयेभी शामिल पचास रुपये हैं, पूंजी-निर्गम की स्वीकृति कें प्रत्येक श्रावेदनपत्न के लिये
- (ख) दसलाख रुपये से प्रधिक के पूंजी निर्गम की स्वीकृति पहले दस लाख रुपये के लिए पचास के प्रत्येक आवेदन पत्न के लिये रुपये और इसके अलावा दस लाख रुपये अथवा उसके किसी एक भाग तक की प्रत्येक वृद्धि के लिये पचास रुपये, लेकिन प्रधिक से प्रधिक एक हजार रुपये।
 - (2) उपनियम (1) के नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में निर्धारित रक्षम, बम्बई, कलकता, दिल्ली, मब्रास और बंगलीर में भारतीय रिजर्व बैंक में जमा करायी जायेगी श्रीर श्रन्य स्थानों पर निकटतम सरकारी राजकीय में श्रथवा भारतीय रिजर्व बैंक की निकटनम शाखा श्रथवा श्रीकरण में।
 - (3) उप नियम (1) के अन्तर्गत भ्रदा की जाने वाली रकम "LII--विविध-पूंजी निर्गम (नियंत्रण) भ्रधिनियम, 1947 (1947 के 29 वें अधिनियम) के अन्तर्गत पूंजी के निर्गम समुबन्धित विविध प्राप्तियों" के श्रन्तर्गत जमा की जायगी।

[संख्या एफ० 2 (15)-सी० सी० सी० /70]

प्र० द० कसबेकर, पूंजी निर्गम नियंत्रक ।